Dr. Ranjeet Kumar
Deptt. of History
H.D. Jain College Ara.

B.A. PART-III
paper-5

* बहमनी साम्राज्य का विखराव :- अहमदनगर के निजामशाही (1490-1633) - इसकी स्थापना अहमद बहरी द्वारा हुई थी। बाद में इस पर शाहजहाँ ने कब्जा कर लिया (1633)।
बीजापुर के आदिलशाही (1490-1686) — इसकी स्थापना युसुफ आदिल शाह ने की थी। बीजापुर में गोल गुम्बद, एक मकबरा जिस पर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गुम्बद है; (सबसे बड़ा रोम का सेंट पॉल चर्च है), का निर्माण मुहम्मद आदिल शाह द्वारा हुआ था। ये फुसफुसाते गलियारे (Whispering Gallery) के लिए भी मशहूर है। इस पर औरंगजेब ने बाद में ~~कब्जा~~ कब्जा कर लिया (1686)।
बरार के इमादशाही (1490-1574) — इसकी स्थापना फतुल्लाह खान इमाद-उल-मुल्क द्वारा हुई। बाद में इस पर अहमदनगर के निजामशाही शासकों ने आक्रमण करके कब्जा कर लिया।
गोलकुण्डा के कुतुबशाही - (1518-1687)- इसकी स्थापना कुली कुतुबशाह (1518-43) द्वारा की गई जिसने मशहूर गोलकुंडा का किला बनवाया और उसे अपनी राजधानी बनाई। दूसरा कुतुबशाही शासक मुहम्मद कुली कुतुबशाह इन सबमें सबसे मशहूर हुआ। उसने हैदराबाद शहर की स्थापना की, जिसका असली नाम भाग्यनगर था (सुल्तान के प्रिय भाग्यमती के नाम पर)। उसने मशहूर चारमीनार का भी निर्माण करवाया। इस राज्य पर औरंगजेब ने 1687 में अधिकार कर लिया।
बीदर के बरीदशाही (1528-1619) - इसकी स्थापना अली बरीद ने की। बाद में ये बीजापुर के आदिलशाहियों के अधीन हो गया।

→